एक नजर में

सच्चा साहित्यकार ही ला सकता है समाज में बदलाव

उज्जैन। समाज में चेतना के माध्यम से बदलाव और लोक शिक्षण का काम केवल एक सच्चा साहित्यकार ही कर सकता है। क्योंकि यह कार्य अब मीडिया या राजनीति नहीं कर रही है। यह बात जाने-माने व्यंग्यकार पिलकेन्द्र अरोरा ने अभिनव रंगमंडल की मासिक संवाद श्रृंखला कथा-संवाद की अध्यक्षता करते हुए कही। क्लब फनकार आर्ट गैलरी में आयोजित इस कार्यक्रम में कहानीकार शशिभूषण ने अपनी चर्चित कहानी किरदार का पाठ किया। पाठ से पूर्व उन्होंने 30 अगस्त के ऐतिहासिक महत्व, लेखिका मैरी शेली के जन्म और सूफी दारा शिकोह की हत्या का स्मरण करते हुए अपनी पूरक कविता मारना भी सुनाई। परिचर्चा में वरिष्ठ कवि बहादुर पटेल ने कहा कि वर्तमान दौर में जब विचार के लोगों को नक्सल ठहराया जा रहा है, तब ऐसी कहानियां लिखना दुस्साहस का काम है। कहानी देश में अल्पसंख्यकों की असुरक्षा, विवशता और पहचान छुपाने की त्रासदी के दृश्य उकेरती है। कवयित्री ज्योति देशमुख ने कहा कि आज कमजोर और आम इंसान के लिए जीवन मुश्किल हो गया है। जब कलाधर्मी अपनी जिम्मेदारी निभाने लगते हैं और सही बोलते हैं, तो वे भी अल्पसंख्यक हो जाते हैं। अध्यक्षीय उद्बोधन में पिलकेन्द्र अरोरा ने कहा कि किरदार एक सशक्त कहानी है, जो धर्म और संप्रदाय के नाम पर फैले आतंक व असुरक्षा का सटीक चित्रण करती है। उन्होंने कहा कि देश की व्यवस्था बदलने के लिए हमें रविभूषण और रवीश कुमारों की जरूरत है। संवाद सत्र में चित्रकार मुकेश बिजौले, प्रो. गोपाल शर्मा और लेखक अमिताभ ने सवाल किए। जवाब में शशिभूषण ने कहा कि आज सत्ता केंद्रों ने साहित्य और कहानियों को भी अपने कब्जे में ले लिया है और संपादक अपनी मर्जी से कहानियां लिखवा रहे हैं। संस्था अध्यक्ष शरद शर्मा ने आभार मानते हुए कहा कि साहित्यकार का काम सत्ता की अभ्यर्थना करना नहीं, बल्कि प्रतिरोध को आवाज देना है। उन्होंने कहा कि रवीश कुमार और अजीत अंजुम जैसे लोगों को आज राष्ट्रद्रोही कहा जा रहा है, जबकि वे अपना काम पूरी ईमानदारी से कर रहे हैं। संचालन कवयित्री व रंगकर्मी पांखुरी वक्त ने किया। संयोजन अक्षय आमेरिया और मुकेश बिजौले ने किया। इस दौरान मुकेश बिजौले ने शशिभूषण को बैजू बावरा का चित्र स्मृति स्वरूप भेंट किया। आयोजन में प्रो. अरुण वर्मा, गिरिजेश व्यास, राजेश सक्सेना, शीतल अरोरा और भूषण जैन सहित अनेक साहित्यप्रेमी उपस्थित थे।

शकील पटवारी ने मुशायरों से उज्जैन को दिलाई वैश्विक पहचान

उज्जैन। शहर के अमरपुरा स्थित रफीक शादमानी हॉल में पूर्व पार्षद जफर अहमद सिद्दीकी और मुशायरा कन्वीनर शकील अहमद सिद्दीकी पटवारी का संयुक्त जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। आयोजन उज्जैन मुशायरा कमेटी की ओर से संस्था के सक्रिय सदस्य जब्बार शेख और भूरु शेख के नेतृत्व में किया गया। समारोह में शॉल-श्रीफल, पुष्पगुच्छ और उपहार भेंट कर दोनों का स्वागत किया गया। इसके बाद केक काटकर उनकी लंबी उम्र की कामना की गई। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि जफर सिद्दीकी ने पार्षद रहते हुए जो विकास कार्य कराए, वह आज भी नजीर हैं। वहीं शकील सिद्दीकी पटवारी ने मुशायरों के जरिए उज्जैन को साहित्य के क्षेत्र में विश्व पटल पर पहचान दिलाई है। इस अवसर पर मंच पर बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष पं. योगेश व्यास, नगर निगम नेता प्रतिपक्ष रवि राय, देवास के पूर्व सभापति हाजी अंसार अहमद हाथी वाले, जज्बा फाउंडेशन अध्यक्ष सरफराज कुरैशी, असिस्टेंट कमिश्नर डॉ. शादाब अहमद सिद्दीकी, इंदौर के वरिष्ठ पत्रकार परवेज इकबाल, अल्फाबेट अकेडमी के संचालक नईम खान, तोपखाना व्यापारी एसोसिएशन अध्यक्ष सैयद फारूक पहलवान, अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व अध्यक्ष जब्बार शेख और मुस्लिम रिलीफ कमेटी अध्यक्ष रफीक कुरैशी बतौर अतिथि मौजूद रहे। आयोजन में अजहर जाहिद नूर खान, वहीद भाई कोटा वाले, सैयद बिलाल हसन, गजेन्द्र शर्मा, पत्रकार आरिफ खान तराना, रशीद खान फोटो जर्नलिस्ट, युवा समाजसेवी समीर उल हक, खामोश दस्तक के सम्पादक शादाब लाला, पत्रकार शमशाद खान, नन्हे भाई सदर तराना, एडवोकेट शाहिद सिद्दीकी, नसीम अली पीरजी, हारुन नागौरी, फैज जाफरी, अब्दुल हाशिम मंसूरी, जाकिर मंसूरी, अफ्फान जाफरी, कादर भाई ठेकेदार, बबलू भाई, रफीक भाईजान, सलीम भाई गेरेज वाले, मोनिका शर्मा सहित 500 से अधिक प्रबुद्धजन, व्यापारी व युवा उपस्थित थे। संचालन नईम खान ने किया। आभार भूरु शेख ने माना। अंत में शकील सिद्दीकी पटवारी ने सभी अतिथियों का शुक्रिया अदा किया।

सिख पंथ के ज्ञानी वीर सिंह सेवानिवृत्त

उज्जैन। सिख मिशन मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के प्रभारी ज्ञानी बलदेव सिंह उगरा ने कहा कि सिख पंथ के प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी के संदेश एवं श्री गुरु ग्रंथ साहिब, सिख धर्म के सिद्धांतों एवं सिख गुरुओं की शहीदी को जन-जन तक पहुंचाने के लिए मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र एवं छत्तीसगढ़ में 40 साल की सेवा के उपरांत ज्ञानी वीर सिंह, गुरुद्वारा श्री गुरु नानक घाट गुरुद्वारा में अपनी सेवा को पूर्ण करते हुए गुरुद्वारा गुरु नानक घाट पर सेवानिवृत हुए। मध्य प्रदेश में देवास इंदौर, बड़वानी, सेंधवा एवं तीनों राज्यों में सेवा प्रदान की। 40 वर्षों तक घर से बाहर रहकर श्री गुरु नानक के संदेश तीन राज्यों कोने कोने में देना एक बहुत बड़ी तपस्या है। इस अवसर पर गुरुद्वारा श्री गुरु नानक घाट में सिख मिशन मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के प्रभारी ज्ञानी बलदेव सिंह उगरा, शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी अमृतसर, सिख समाज के प्रवक्ता एसएस नारंग, भूपेंद्र सिंह, नानक सिंह, गगनदीप सिंह जी द्वारा सरोपा एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। सिख समाज के संभागीय प्रवक्ता एसएस नारंग ने कहा कि शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी अमृतसर, सिख धर्म की सर्वोच्च संस्था शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के मार्गदर्शन एवं निर्देशानुसार ज्ञानी वीर सिंह श्री गुरु नानक देव जी के संदेश जन-जन तक पहुंचाने के लिए तीनों राज्यों के सभी शहरों एवं वहां पर स्थापित गुरुद्वारों में सभी धर्म के लोगों को नानक जी का संदेश देते हैं। इस अवसर पर ज्ञानी वीर सिंह जी ने कहा कि श्री गुरु नानक देव जी ने एक सुखद विश्व की कल्पना की थी और उस कल्पना को साकार करने के लिए एकेश्वरवाद पर आधारित महामंत्र एक ओंकार अर्थात ईश्वर एक है हम सभी उसकी संतान है का पवित्र उद्घोष किया।

खड़े हनुमान मंदिर की पुनर्स्थापना धार्मिक आयोजन के साथ होगी

उज्जैन। चौड़ीकरण की जद में आ रहे खड़े हनुमान मंदिर को हटाने को लेकर प्रशासन और मंदिर पक्ष के बीच सहमति बनाने की कवायद तेज हो गई है। सड़क चौड़ीकरण के लिए क्षेत्र में कई मकान और दुकानें हटाई जा चुकी हैं, प्राचीन धार्मिक स्थल को हटाना प्रशासन के लिए चुनौती बना हुआ है। बताया जाता है कि खड़े हनुमान मंदिर का इतिहास करीब एक हजार साल से भी अधिक पुराना है।

मंदिर के पुजारी का कहना है कि उनके पास वर्तमान मंदिर और जमीन से संबंधित मालिकाना हक के दस्तावेज, रजिस्ट्री और अन्य कागजात हैं। उनका कहना है कि यदि मंदिर को सड़क चौड़ीकरण के लिए हटाया जाता है तो नई जगह केवल मंदिर निर्माण के लिए देना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि नई जमीन का मालिकाना हक और उसके विधिवत दस्तावेज भी उनके नाम होने चाहिए, ताकि भविष्य में उनके और उनके परिवार के लिए किसी तरह की परेशानी न हो।

भव्य शोभायात्रा निकलेगी

पंडित वासुदेव शास्त्री द्वारा मुहूर्त निकाला जा चुका है और बड़े पैमाने पर आरती पूजन और धार्मिक आयोजन की तैयारी की गई है .मंदिर को नई जगह स्थापित करने की योजना भी धार्मिक और पारंपरिक तरीके से बनाई गई है। इसके लिए भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। विद्वान पंडितों और संतों की मौजूदगी में सुंदरकांड, हनुमान चालीसा पाठ और भगवान श्रीराम के जयकारों के बीच विधि-विधान से मंदिर की स्थापना और प्राण-प्रतिष्ठा की जाएगी। प्रस्तावित आयोजन का खर्च जिला प्रशासन की ओर से उपलब्ध कराने पर भी सहमति बनी है।

शाही सवारी के पहले या बाद, फैसला सहमति से

प्रशासन की कोशिश है कि संभव हो तो शाही सवारी से पहले मंदिर को नई जगह शिफ्ट कर दिया जाए, जबकि मंदिर पक्ष और बजरंग दल की मांग है कि पहले उनकी सभी मांगें पूरी की जाएं। वहीं क्षेत्र में सड़क चौड़ीकरण की जद में आने वाले अन्य धार्मिक स्थलों को लेकर भी कार्रवाई की तैयारी है। मंदिरों के साथ कुछ मस्जिदों को भी हटाने की चर्चा है और शाही सवारी के बाद धार्मिक स्थलों को हटाने की कवायद तेज होने की संभावना है।

बजरंग दल और विहिप भी सामने आए-मंदिर शिफ्टिंग के प्रस्ताव का बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद की ओर से भी विरोध सामने आया है। संगठन और मंदिर पक्ष की मांग है कि पहले नई जगह, मालिकाना हक और दस्तावेजों सहित सभी बिंदुओं पर स्पष्ट सहमति बनाई जाए, इसके बाद ही मंदिर को हटाया जाए। प्रशासन भी इस मामले में जल्दबाजी के बजाय सभी पक्षों को विश्वास में लेकर आगे बढ़ना चाहता है।

कलेक्टर ने निकाला समन्वय का रास्ता-कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने मामले में समन्वय का रास्ता निकालते हुए प्रशासन और मंदिर पक्ष के बीच सहमति बनाने की पहल की है। नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा की ओर से नई जमीन और उससे संबंधित दस्तावेज जुटाने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई है। योजना के अनुसार नई जगह को खड़े हनुमान मंदिर और पुजारी के नाम किए जाने की तैयारी है। सभी पक्षों से चर्चा और सहमति के बाद ही शिफ्टिंग की जाएगी।

मच्छरों और आवारा पशुओं का आतंक, नागरिकों में आक्रोश

खाचरौद। नगर पालिका परिषद की कथित निष्क्रियता और अकर्मण्यता के कारण नगर में मच्छरों का जबरदस्त प्रकोप होने के साथ-साथ आवारा पशुओं एवं श्वानों की संख्या में भी लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इसके चलते आम नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नगर की जनता में कांग्रेस शासित नगर पालिका की कार्यप्रणाली को लेकर आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

भाजपा पार्षद गोदावरी बंबोरिया ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी रवि गुप्ता को पत्र लिखकर नगर में तत्काल आवश्यक व्यवस्थाएं किए जाने की मांग की है। बंबोरिया ने पत्र में बताया कि वर्तमान में वर्षा का दौर लंबा खिंचने तथा मौसमजन्य परिस्थितियों और पर्याप्त साफ-सफाई के अभाव के कारण नगर के अनेक क्षेत्रों में मच्छरों की भरमार हो गई है। इसके कारण वायरल फीवर सहित अन्य मौसमी बीमारियों के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। स्वाइन फ्लू जैसी गंभीर बीमारी के मामले सामने आने की स्थिति में मच्छरों और गंदगी पर तत्काल नियंत्रण किया जाना बेहद आवश्यक है।यदि समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो आने वाले दिनों में बीमारियों के और अधिक फैलने की आशंका है।

इसी प्रकार नगर में आवारा पशुओं और कुत्तों का आतंक भी आम नागरिकों के लिए गंभीर समस्या बनता जा रहा है।आवारा पशु दिनभर बाजारों और प्रमुख मार्गों पर झुंड में घूमते रहते हैं तथा आपस में लड़ते रहते हैं। इससे राहगीरों, दोपहिया वाहन चालकों और दुकानदारों को दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। नागरिकों को कई बार इन पशुओं से बचने के लिए इधर-उधर भागना पड़ता है। वहीं रात के समय यही आवारा पशु आसपास के खेतों में पहुंचकर किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

सातूडी तीज पर महिलाओं ने पूजन किया

घट्टिया। सातुड़ी तीज पर महिलाओं ने सोमवार को दिनभर निराहार व्रत रखकर शाम को माहेश्वरी समाज की महिलाओं ने चारभुजा मंदिर में नीमड़ी लगाकर पूजन अर्चन कर सुहाग की लंबी उम्र एवं परिवार में सुख समृद्धि की कामना के साथ रोगों से रक्षा की कामना की। तीज की कथा का श्रवण कर चंद्र उदय के दर्शन कर अर्क देकर पति के हाथों से सत्तू का पिंडा पास कर व्रत खोल।

ऐसी मान्यता है कि कुंवारी कन्याएं भी सातुड़ी तीज का व्रत कर लिमडी माता शिव पार्वती रूप में पूजन कर माता पार्वती से सुशील और सुंदर वर की कामना करती है। सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र की कामना को लेकर व्रत रखती है। सोमवार को तीज व चतुर्थी का व्रत एक साथ होने से महिलाओं द्वारा चौथ माता व गणेश जी का पूजन कर चतुर्थी व्रत की कथाएं श्रवण की।

एसपी के रात 10 बजे बाजार बंद के फरमान से शहर में मची अफरा-तफरी

नागदा जं. निप्र। उज्जैन शहर में लगातार हो रही वारदात के बाद पुलिस कप्तान एसपी प्रदीप शर्मा द्वारा रविवार रात 10 बजे बाजार बंद के आदेश के बाद शहर में अफरा-तफरी मच गई। चूंकि आदेश की पूर्व से सूचना न होने से पुलिस रात 10 बजे बाजार में सडक पर पहुँची और एकाएक दुकानें बंद करवाने लगी। कई स्थानों पर पुलिस ने उन व्यापारियों को फटकार लगाई जो आदेश का पालन नहीं कर रहे थे। अचानक बंद कराने से शहर में कई तरह की चर्चाऐं चलने लगी तथा कई तरह की अफवाह भी उडने लगी। रात 10.30 बजे तक शहर की सडकें सुनसान हो गई थी। यहाँ तक की मेडिकल स्टोर भी बंद हो गए। इस आदेश से उन व्यापारियों को नुकसान हुआ जिनका व्यापार रात्री के समय में चलता है जैसे रेल्वे स्टैशन चौराहा व पुराने बस स्टेण्ड पर चाय के ठेले, पानी की दुकान, चाट-चौपाटी इन व्यवसाय के व्यापारियों को नुकसान उठाना पडा, क्योंकि पुलिस द्वारा पूर्व में कोई सूचना नहीं दी गई थी। चाट चौपाटी नगर में तीन स्थान पुरान बस स्टेण्ड शेषशायी कॉलेज के सामने एवं एप्रोच रोड पर लगती है। यह दुकानें शाम 7 बजे से लगना शुरू होकर रात 12 बजे तक चलती है। ऐसे में पुलिस द्वारा रात 10 बजे दुकानें बंद करवाने से इन व्यापारियों का कच्चा माल फेंकना पडा। इसी प्रकार ट्रेनों से बाहर से आने वाले यात्रीयों को भी परेशान होना पडा क्योंकि पुलिस ने रेल्वे स्टेशन के बाहर की होटल एवं रेस्टोरेंट भी बंद करवा दिए थे।

नागदा में रामलीला के जीवंत मंचन को मिलेगी नई पहचान

नागदा। नगर में वर्षों से रामलीला के जीवंत मंचन की परंपरा को आगे बढ़ाने और नई पीढ़ी को भगवान श्रीराम के आदर्शों तथा सनातन संस्कृति से जोड़ने के उद्देश्य से सोमवार को सनातन धर्म रामलीला मंडल, नागदा की स्थापना की गई। कला प्रेमी मांगीलाल पंड्या की अध्यक्षता में गुलाबबाई कॉलोनी में दोपहर 1.30 बजे आयोजित शुभारंभ कार्यक्रम में भगवान श्रीराम दरबार के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर मंडल के गठन की औपचारिक घोषणा की गई। मंडल के अध्यक्ष मांगीलाल पंड्या एवं सदस्यों ने बताया कि मंडल का उद्देश्य नगर एवं क्षेत्र के साथ पूरे मध्यप्रदेश में जीवंत रामलीला के मंचन की परंपरा को प्रोत्साहित करना है। इसके माध्यम से युवा पीढ़ी को भगवान श्रीराम के जीवन, आदर्शों, मर्यादा और सनातन संस्कृति से परिचित कराने का प्रयास किया जाएगा।

डेढ़ घंटे हुआ रामलीला का जीवंत मंचन-मंडल की स्थापना के अवसर पर स्थानीय कलाकारों द्वारा लगभग डेढ़ घंटे तक रामलीला का जीवंत मंचन किया गया। कलाकारों ने विभिन्न पात्रों का प्रभावी रूप से अभिनय करते हुए उपस्थित लोगों को रामायण के प्रसंगों से भावविभोर किया। उपस्थितजनों ने कलाकारों की प्रस्तुति की सराहना की। कार्यक्रम के बाद रामलीला मंडल के कलाकार एवं सदस्य नगर में आयोजित काल भैरव मंदिर की सावन सवारी के भव्य आयोजन में भी सहभागी बने।

आभासी दुनिया के दौर में जीवंत रामलीला का प्रयास

आयोजकों ने कहा कि वर्तमान समय में बच्चे और युवा मोबाइल, आभासी मनोरंजन एवं खेलों में अधिक समय दे रहे हैं। वहीं रामायण के पात्रों एवं प्रसंगों को कई बार काल्पनिक अथवा एनिमेटेड रूप में प्रस्तुत किया जाता है। ऐसे समय में मंडल का प्रयास है कि कलाकारों के माध्यम से रामायण के पात्रों और प्रसंगों को जीवंत मंचन के जरिए वास्तविक एवं पारंपरिक स्वरूप में प्रस्तुत किया जाए, ताकि नई पीढ़ी अपनी धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत से सीधे जुड़ सके।

भादौ माह के पहले सोमवार को बाबा भोले की निकली शाही सवारी

नागदा जं. निप्र। भादो माह के प्रथम सोमवार को प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी बाबा भोलेनाथ की शाही सवारी निकली। देवेश्वर महादेव, बाबा रामदेव मंदिर एवं कालभैरव मंदिर के नेतृत्व में विगत 19 वर्षों से भादो माह के प्रथम सोमवार को यह सवारी नकाली जाती है। शाही सवारी शाम 5 बजे पुरानी नगर पालिका स्थित बाबा रामदेव मंदिर से प्रारंभ हुई। इसके पूर्व मंदिर परिसर में आरती एवं पूजन हुआ। सवारी नगर का भ्रमण कर रात 10 बजे पुन: मंदिर परिसर पहुंची। शाही सवारी को लेकर मंदिर पर आकर्षक श्रृंगार व विद्युत सज्जा की गई थी। जगह-जगह विभिन्न संस्थाओं एवं संगठनों द्वारा सवारी का पुष्पवर्षा कर तो कहीं प्रसाद वितरण कर स्वागत किया गया। आयोजन को लेकर प्रशासन भी अलर्ट रहा। नागदा थाने के

अलावा आस-पास के थानों से भी बल सुरक्षा के महत तैनात किया गया था। इसके अलावा नपा, राजस्व विभाग व बिजली विभाग की टीम भी सुरक्षा एवं व्यवस्था में तैनात थी।

इन मार्गों से निकली सवारी-मंदिर से प्रारंभ होकर सवारी पुरानी पानी की टंकी परिसर, चंबल मार्ग, जन्मेजय मार्ग के चौराहे, काल भैरव मंदिर, थाना चौराहा, तिलक मार्ग, रामसहाय मार्ग, नपा चौराहा, पुराना बस स्टेण्ड, जवाहर मार्ग, दीनदयाल चौक, कन्याशाला चौराहा, एमजी रोड व थाना चौराहा होते हुए पुन: मंदिर परिसर पहुँची। सवारी के कारवें में आधा दर्जन अखाडे व एक दर्जन से अधिक झांकीयाँ थी। सवारी में उज्जैन से आई बाबा महाकाल की पालकी व कडाबीन आकर्षण का केन्द्र रहे। अखाड़ों के कलाकारों ने किया प्रदर्शन सवारी में सबसे आगे चार अखाड़े पवन पुत्र व्यायामशाला, विकट हनुमान व्यायामशाला व दो महिलाओं के अखाडे शामिल हुए। अखाडे के कलाकारों ने हैरतअंगेज प्रदर्शन किया। इसके अलावा सवारी में हाथी'-घोडे, भक्त मण्डली भी शामिल थी जो भजन गाते हुए चल रही थी। सवारी में सांवरिया सेठ, भगवान भोलेनाथ, गणेशजी व रामलीला का मंचन की झांकी भी शामिल थी। इसी प्रकार युवक-युवतियां भी भोले के भजनों पर पुरे मार्ग में थिरकते रहे।

दादा गुरुदेव की जन्म द्विशताब्दी महोत्सव का संदेश लेकर नागदा पहुंचा

नागदा जं. निप्र। गुरु राजेन्द्र की जन्मभूमि राजस्थान की पावन तीर्थभूमि श्री भरतपुर महातीर्थ में आयोजित होने वाले दादा गुरुदेव परम पूज्य श्रीमद् विजय राजेन्द्रसूरीश्वरजी की जन्म द्विशताब्दी महोत्सव का भावपूर्ण अग्रिम निमंत्रण लेकर श्री राजेन्द्रसूरि जैन कीर्ति मंदिर तीर्थ, भरतपुर के ट्रस्टीगण नागदा पहुंचे। प्रतिनिधिमंडल ने सर्वप्रथम नागदा में चातुर्मास हेतु विराजमान पूज्य साध्वी श्री अर्हमव्रता श्रीजी आदि ठाणा-4 के दर्शन-वंदन कर मांगलिक श्रवण किया तथा दादा गुरुदेव श्री की जन्म द्विशताब्दी के अवसर पर आयोजित होने वाले भव्यातिभव्य महोत्सव का भावपूर्ण अग्रिम निमंत्रण श्रीसंघ को प्रदान किया। अभा श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी ब्रजेश बोहरा ने बताया कि भरतपुर तीर्थ से नागदा पधारे प्रतिनिधिमंडल में तीर्थ ट्रस्ट अध्यक्ष बाबूलालजी लालचंद कटारिया संघवी (धानसा-दिल्ली), महामंत्री विमलकुमार नैनमल वेदमूथा (भूति-सूरत), उपाध्यक्ष शेषमल बाबूलाल क्षत्रीय वोरा (सुराणा-दिल्ली), कोषाध्यक्ष कान्तीलाल मगराज संघवी (आकोली-अहमदाबाद), सहकोषाध्यक्ष राजेन्द्रकुमार शंकरलाल दंगवाड़ा (बड़नगर) तथा सहमहामंत्री मुकेशकुमार सोमतमल दोशी (भीनमाल-मुंबई) शामिल रहे। इस अवसर पर नागदा श्री श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन श्रीसंघ के अध्यक्ष मनीष ओरा के नेतृत्व में श्रीसंघ के पदाधिकारियों एवं समाजजनों ने भरतपुर तीर्थ के सभी ट्रस्टीगण का आत्मीय बहुमान किया।

एक नजर 1129 मंडलों में बेहतर प्रदर्शन, विजय पटेल के नेतृत्व में बूथ एवं शक्ति केंद्र स्तर तक कार्यकर्ताओं ने सुना प्रधानमंत्री का संबोधन

'मन की बात' में नागदा नगर मंडल की शानदार छलांग, प्रदेश में 96वां स्थान

नागदा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 137वें संस्करण के अवसर पर नागदा नगर मंडल में व्यापक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। नगर मंडल अध्यक्ष विजय पटेल के नेतृत्व में नगर के विभिन्न वार्डों, शक्ति केंद्रों एवं बूथों पर भाजपा कार्यकर्ताओं तथा रहवासियों ने सामूहिक रूप से प्रधानमंत्री का संबोधन सुना। प्रदेश के कुल 1129 मंडलों में नागदा नगर मंडल ने 96वां स्थान प्राप्त कर उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया है।

मंडल अध्यक्ष विजय पटेल ने इस उपलब्धि पर सभी कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में और अधिक सक्रियता के साथ कार्य करते हुए मंडल की रैंकिंग को और बेहतर बनाने का प्रयास किया जाएगा।

'मन की बात' के 137वें संस्करण को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से पार्टी कार्यालय पर समय समय पर कार्यकर्ताओं एवं रहवासियों की बैठक भी आयोजित की गई। जिसमें स्थानीय विधायक डॉ. तेज बहादुर सिंह चौहान, उज्जैन जिला ग्रामीण मंडल अध्यक्ष राजेश धाकड़, मंडल अध्यक्ष, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में कार्यकर्ताओं से अपने-अपने क्षेत्रों में लोगों को 'मन की बात' सुनने के लिए प्रेरित करने तथा प्रधानमंत्री के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आग्रह किया गया।

168वें से 96वें स्थान तक पहुंचा मंडल

विजय पटेल ने बताया कि पूर्व में नागदा नगर मंडल प्रदेश की रैंकिंग में 168वें स्थान पर था। मंडल के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा बूथ और शक्ति केंद्र स्तर तक किए गए निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप इस बार मंडल ने 96वां स्थान प्राप्त किया। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय सभी कार्यकर्ताओं की मेहनत और सहभागिता को दिया।

जन की भागीदारी से जुड़ा कार्यक्रम-मन की बात' की विशेषता यह है कि इसमें केवल प्रधानमंत्री के विचार ही नहीं, बल्कि देशवासियों के सुझाव, अनुभव और प्रेरणादायक कार्यों को भी महत्व दिया जाता है। कार्यक्रम के लिए नागरिक अपने सुझाव एवं विचार साझा करते हैं और उनमें से चयनित विषयों को प्रधानमंत्री अपने संबोधन में स्थान देते हैं।

नागदा नगर मंडल में भी इस बार बूथ एवं शक्ति केंद्र स्तर तक कार्यकर्ताओं ने लोगों के साथ मिलकर कार्यक्रम सुना। मंडल अध्यक्ष विजय पटेल ने कहा कि प्रदेश में 96वां स्थान प्राप्त होना उत्साहवर्धक है। आने वाले समय में सभी कार्यकर्ताओं के सहयोग से मंडल को इससे भी बेहतर स्थान पर पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे।

उन्होंने इस उपलब्धि के लिए मंडल के सभी पदाधिकारियों, शक्ति केंद्र प्रभारियों, बूथ कार्यकर्ताओं एवं नगरवासियों का आभार व्यक्त किया। जानकारी मीडिया प्रभारी निलेश मेंहता ने दी।